

भारत सरकार
कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1034

जिसका उत्तर 08 फरवरी, 2023 को दिया जाना है

कोयले की मांग और आपूर्ति

1034. श्री धनुष एम. कुमार:

श्री सी.एन. अन्नादुरई:

श्रीमती मंजुलता मंडल:

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:

श्री जी. सेल्वम:

डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

डॉ. सुभाष रामराव भामरे:

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

श्री कुलदीप राय शर्मा:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विशेषकर तमिलनाडु, ओडिशा और महाराष्ट्र राज्यों के विशेष संदर्भ में कोयले की मांग और आपूर्ति का राज्य-वार और संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या देश में कोयले की मांग और आपूर्ति के बीच भारी अंतर है और यदि हां, तो कोयले के माध्यम से पूरी की जाने वाली भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रतिशत सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोयले की मांग में वृद्धि हुई है, यदि हां, तो घरेलू कोयला उत्पादन में वृद्धि नहीं किए जाने के क्या कारण हैं ताकि आयातित कोयले पर निर्भरता कम की जा सके और विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके;

(घ) क्या सरकार का पर्यावरण की सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर कोयले के उपयोग को कम करने का विचार है; और

(ड.) यदि हां, तो देश में कोयले के उपयोग में वृद्धि के कारणों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) और (ख) : पिछले तीन वर्षों के लिए ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में कोयले की कुल मांग तथा कुल आपूर्ति और कोयले की घरेलू आपूर्ति का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	कुल मांग	कुल आपूर्ति		राज्यों को घरेलू आपूर्तियां		
		घरेलू	आयात	ओडिशा	महाराष्ट्र	तमिलनाडु
2019-20	955.72	707.18	248.54	76.04	69.55	18.38
2020-21	906.13	690.88	215.25	89.41	61.88	17.00
2021-22*	1027.92	818.99	208.93	96.98	82.63	27.49

*राज्यों को कोयले की घरेलू आपूर्ति के आंकड़े अनंतिम हैं

जैसा कि सीईए द्वारा सूचित किया गया है, पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष 2022-23 (अप्रैल से नवंबर, 2022) के दौरान देश में कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों से वास्तविक विद्युत उत्पादन, कुल उत्पादन और कुल उत्पादन में कोयला आधारित उत्पादन और कुल उत्पादन के योगदान का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	उत्पादन (बिलियन यूनिट)		कुल उत्पादन में कोयला आधारित उत्पादन का योगदान %
	कोयला आधारित उत्पादन	कुल उत्पादन	
2017-18	951.8	1308.1	72.8%
2018-19	987.7	1376.1	71.8%
2019-20	961.2	1389.1	69.2%
2020-21	950.9	1381.9	68.8%
2021-22	1041.5	1491.9	69.8%
2022-23 (अप्रैल से नवम्बर, 23 तक)	747.8	1089.9	68.6%

(ग): कोयले की वास्तविक मांग 2020-21 में 906.13 मि.ट. से बढ़कर 2021-22 में 1027.92 मिलियन टन हो गई। चालू वर्ष 2022-23 के लिए, मंत्रालय द्वारा कोयले की मांग 1087 मि.ट. तक पहुंचने का आकलन किया गया है। कोयले की बढ़ी मांग की तुलना में, घरेलू कोयले का उत्पादन भी बढ़ा है। वर्ष 2021-22 में, घरेलू कोयला उत्पादन 8.67% तक बढ़कर 778.19 मि.ट. हो गया, जो 2020-21 में 716.08 मि.ट. था। इसके अलावा, देश में कोयले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

i. कैप्टिव और वाणिज्यिक पद्धति के माध्यम सहित नए कोयला ब्लॉकों की पहचान और विकास।

ii. कैप्टिव खान स्वामियों (परमाणु खनिजों को छोड़कर) को सक्षम करने के लिए खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2021 को खान से संबद्ध अंत्य उपयोग संयंत्र की आवश्यकता को पूरा करने के बाद खुले संशोधन बाजार में अपने वार्षिक खनिज

(कोयला सहित) उत्पादन के 50% तक बेचने के लिए यह तरह अधिनियमित करना कि यह ऐसी अतिरिक्त राशि के भुगतान पर केंद्र सरकार द्वारा यथानिर्धारित हो।

iii. कोयला खानों के परिचालन में तेजी लाने हेतु कोयला क्षेत्र के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस पोर्टल।

iv. कोयला खानों के शीघ्र परिचालन के लिए विभिन्न अनुमोदन/मंजूरी प्राप्त करने हेतु कोयला ब्लॉक आवंटितियों की हैंडहोल्डिंग के लिए परियोजना निगरानी इकाई।

v. राजस्व शेयरिंग के आधार पर कोयला ब्लॉकों की वाणिज्यिक नीलामी। वाणिज्यिक खनन योजना के तहत उत्पादन की निर्धारित तिथि से पहले उत्पादित कोयले की मात्रा के लिए अंतिम प्रस्ताव पर 50% की छूट की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ-साथ, कोयला गैसीकरण या द्रवीकरण पर प्रोत्साहन राशि (अंतिम प्रस्ताव पर 50% की छूट) प्रदान की गई है।

vi. कोल इंडिया लिमिटेड अपनी भूमिगत (यूजी) खानों में मुख्य रूप से सतत खनिक (सीएम) जहां भी संभव हो, व्यापक उत्पादन प्रौद्योगिकियों (एमपीटी) को अपना रही है। कोल इंडिया लिमिटेड ने परित्यक्त/बंद खानों की उपलब्धता को देखते हुए बड़ी संख्या में हाईवॉल्स (एचडब्ल्यू) खानों के संचालन की भी परिकल्पना की है। कोल इंडिया लिमिटेड व्यवहार्यता अनुसार बड़ी क्षमता वाली यूजी खानों की भी योजना बना रही है।

vii. ओपनकास्ट (ओसी) खानों में, कोल इंडिया लिमिटेड ने उच्च क्षमता वाले एक्सकेवेटर, डम्पर्स और सतही खनिकों के माध्यम से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है।

viii. एससीसीएल नई 8 खानों को शुरू करने के कार्य में तेजी ला रही है।

(घ) और (ड.): पर्याप्त भंडार के साथ ऊर्जा का एक किफायती स्रोत होने के नाते, कोयला निकट भविष्य में ऊर्जा के प्रमुख स्रोत के रूप में रहने वाला है। नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर के बावजूद, देश को स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी कोयला आधारित उत्पादन की आधारभूत क्षमता की आवश्यकता होगी। भारत स्वच्छ ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध है; भारत में स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन की गति को राष्ट्रीय परिस्थितियों, और साझा परंतु अलग-अलग जिम्मेदारियों तथा संबंधित क्षमताओं के सिद्धांत, जलवायु वित्त और कम लागत वाली जलवायु प्रौद्योगिकियों के अंतरण के मद्देनजर देखा जाना है।
